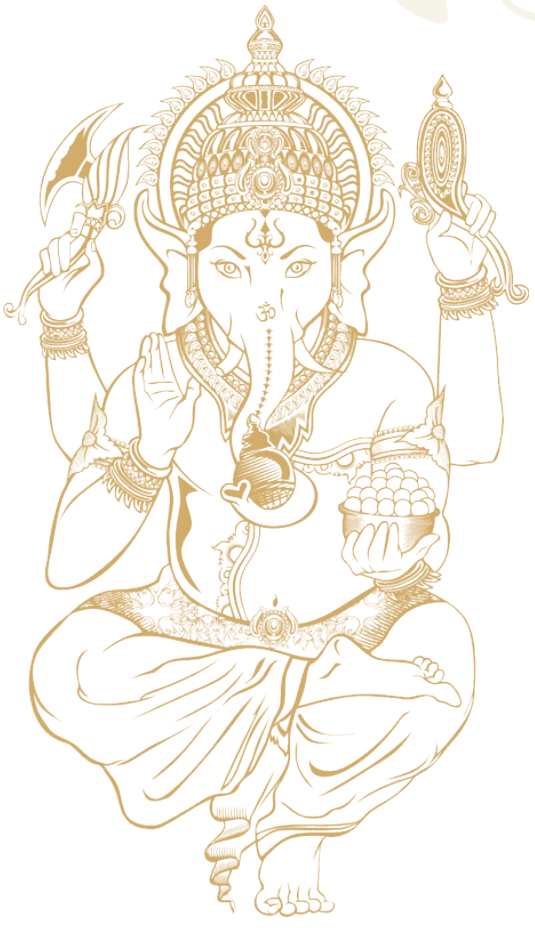

Madhu kumari

20 Nov 1994

03:00 AM

Muzaffarpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121569003

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/11/1994	जन्म तिथि	**20/11/2026**
शनि-रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	07:52:54 घंटे
घटी 52:05:41	जन्म समय(घटी)	04:15:38 घटी
India	देश	India
Muzaffarpur	स्थान	Muzaffarpur
उत्तर 26:07:00	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
पूर्व 85:23:00	रेखांश	85:23:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:43	सूर्योदय	06:10:38
16:57:33	सूर्यास्त	16:57:30
23:47:19	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:06

कन्या	लग्न	वृश्चिक
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
रोहिणी	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	1
शिव	योग	वज्र
तैतिल	करण	वणिज
वू-वुभेश	जन्म नामाक्षर	दू-दूती
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प
32	गत/तत्कालिक वर्ष	33

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
हस्त	4	21:04:12	कन्या		
अनुराधा	1	03:32:10	वृश्चि		
रोहिणी	4	20:54:06	वृष		
आश्लेषा	4	28:57:33	कर्क		
विशाखा	1	20:02:42	तुला		
विशाखा	4	01:54:23	वृश्चि		अ
स्वाति	1	08:59:28	तुला	व	
शतभिषा	2	11:59:16	कुंभ		
विशाखा	1	21:01:58	तुला	व	
भरणी	3	21:01:58	मेष	व	
उत्तराषाढ़ा	1	29:35:14	धनु		

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृश्चि	24:56:13	3	ज्येष्ठा
सूर्य			वृश्चि	03:32:10	1	अनुराधा
चंद्र			मीन	03:50:57	1	उ०भाद्रपद
मंगल			सिंह	03:19:45	1	मघा
बुध			तुला	14:05:25	3	स्वाति
गुरु		अ	सिंह	01:56:58	1	मघा
शुक्र			कन्या	29:20:48	2	चित्रा
शनि	व		मीन	14:05:08	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	00:51:06	3	धनिष्ठा
केतु	व		सिंह	00:51:06	1	मघा
मु			वृष	21:04:12	4	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:06

लग्न-चलित

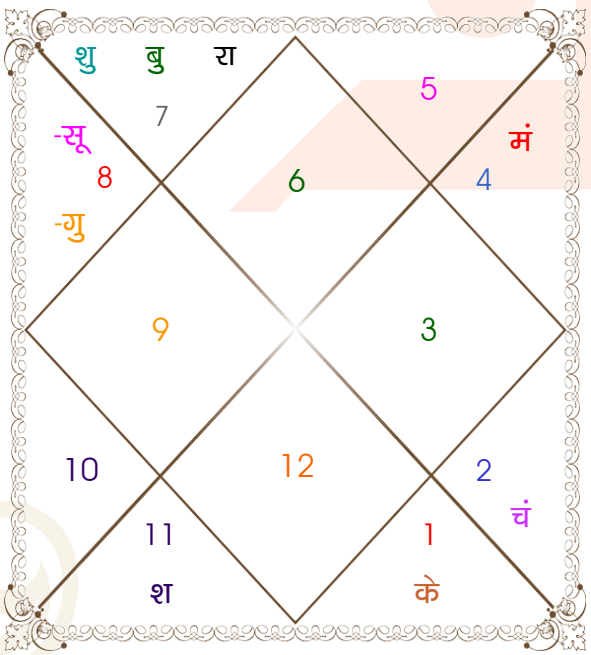

वर्ष लग्न कुंडली

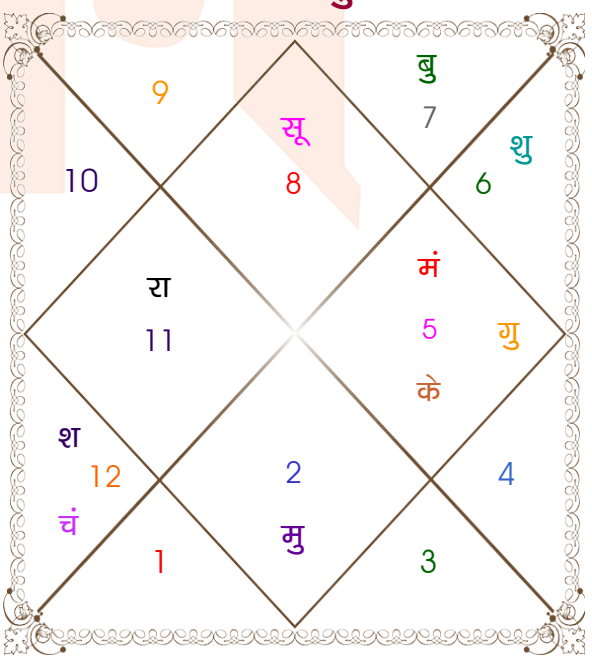

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - गुरु	
14/01/2026 15:42	
18/05/2026 00:40	
गुरु	31/01/2026 02:30
शनि	19/02/2026 15:19
बुध	09/03/2026 02:47
केतु	16/03/2026 07:31
शुक्र	05/04/2026 21:00
सूर्य	12/04/2026 01:03
चंद्र	22/04/2026 07:48
मंगल	29/04/2026 12:31
राहु	18/05/2026 00:40

गुरु - बुध - बुध	
18/05/2026 00:40	
12/09/2026 07:32	
बुध	03/06/2026 15:26
केतु	10/06/2026 11:38
शुक्र	30/06/2026 00:47
सूर्य	05/07/2026 21:31
चंद्र	15/07/2026 16:06
मंगल	22/07/2026 12:18
राहु	09/08/2026 02:31
गुरु	24/08/2026 17:50
शनि	12/09/2026 07:32

गुरु - बुध - केतु	
12/09/2026 07:32	
30/10/2026 14:35	
केतु	15/09/2026 03:08
शुक्र	23/09/2026 04:19
सूर्य	25/09/2026 14:16
चंद्र	29/09/2026 14:51
मंगल	02/10/2026 10:28
राहु	09/10/2026 16:20
गुरु	16/10/2026 02:52
शनि	23/10/2026 18:23
बुध	30/10/2026 14:35

गुरु - बुध - शुक्र	
30/10/2026 14:35	
17/03/2027 14:11	
शुक्र	22/11/2026 14:31
सूर्य	29/11/2026 12:06
चंद्र	11/12/2026 00:04
मंगल	19/12/2026 01:15
राहु	08/01/2027 17:59
गुरु	27/01/2027 03:32
शनि	17/02/2027 23:52
बुध	09/03/2027 13:01
केतु	17/03/2027 14:11

गुरु - बुध - सूर्य	
17/03/2027 14:11	
27/04/2027 23:40	
सूर्य	19/03/2027 15:52
चंद्र	23/03/2027 02:39
मंगल	25/03/2027 12:36
राहु	31/03/2027 17:37
गुरु	06/04/2027 06:05
शनि	12/04/2027 19:23
बुध	18/04/2027 16:08
केतु	21/04/2027 02:05
शुक्र	27/04/2027 23:40

गुरु - बुध - चंद्र	
27/04/2027 23:40	
05/07/2027 23:28	
चंद्र	03/05/2027 17:39
मंगल	07/05/2027 18:14
राहु	18/05/2027 02:36
गुरु	27/05/2027 07:23
शनि	07/06/2027 05:33
बुध	17/06/2027 00:07
केतु	21/06/2027 00:43
शुक्र	02/07/2027 12:41
सूर्य	05/07/2027 23:28

गुरु - बुध - मंगल	
05/07/2027 23:28	
23/08/2027 06:32	
मंगल	08/07/2027 19:05
राहु	16/07/2027 00:56
गुरु	22/07/2027 11:29
शनि	30/07/2027 03:00
बुध	05/08/2027 23:12
केतु	08/08/2027 18:48
शुक्र	16/08/2027 19:59
सूर्य	19/08/2027 05:56
चंद्र	23/08/2027 06:32

गुरु - बुध - राहु	
23/08/2027 06:32	
25/12/2027 10:58	
राहु	10/09/2027 21:36
गुरु	27/09/2027 10:59
शनि	17/10/2027 02:53
बुध	03/11/2027 17:07
केतु	10/11/2027 22:58
शुक्र	01/12/2027 15:43
सूर्य	07/12/2027 20:44
चंद्र	18/12/2027 05:06
मंगल	25/12/2027 10:58

गुरु - बुध - गुरु	
25/12/2027 10:58	
13/04/2028 20:15	
गुरु	09/01/2028 04:12
शनि	26/01/2028 15:40
बुध	11/02/2028 06:59
केतु	17/02/2028 17:32
शुक्र	07/03/2028 03:05
सूर्य	12/03/2028 15:32
चंद्र	21/03/2028 20:19
मंगल	28/03/2028 06:51
राहु	13/04/2028 20:15

गुरु - बुध - शनि	
13/04/2028 20:15	
22/08/2028 22:16	
शनि	04/05/2028 14:22
बुध	23/05/2028 04:03
केतु	30/05/2028 19:34
शुक्र	21/06/2028 15:54
सूर्य	28/06/2028 05:12
चंद्र	09/07/2028 03:23
मंगल	16/07/2028 18:54
राहु	05/08/2028 10:48
गुरु	22/08/2028 22:16

गुरु - केतु - केतु	
22/08/2028 22:16	
11/09/2028 19:32	
केतु	24/08/2028 02:06
शुक्र	27/08/2028 09:39
सूर्य	28/08/2028 09:31
चंद्र	30/08/2028 01:17
मंगल	31/08/2028 05:07
राहु	03/09/2028 04:43
गुरु	05/09/2028 20:21
शनि	08/09/2028 23:55
बुध	11/09/2028 19:32

गुरु - केतु - शुक्र	
11/09/2028 19:32	
07/11/2028 15:08	
शुक्र	21/09/2028 06:48
सूर्य	24/09/2028 02:58
चंद्र	28/09/2028 20:36
मंगल	02/10/2028 04:09
राहु	10/10/2028 16:41
गुरु	18/10/2028 06:30
शनि	27/10/2028 06:24
बुध	04/11/2028 07:35
केतु	07/11/2028 15:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आप शारीरिक रूप से विशेष अच्छी नहीं रहेंगी तथा समय समय पर इससे आपको परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी आप इस समय अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।पति एवं बन्धुवर्ग से आप विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगी। साथ ही यदा कदा उनसे आपको कष्ट भी प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा तथा वे आप के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे चिन्तित रहेंगी । धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा भाव नहीं रहेगा तथा धर्म एवं धार्मिक कार्यो की आप उपेक्षा करेंगी ।साथ ही लोभ एव मोह की आप में अधिकता रहेगी।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करेंगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आप अपने वरिष्ठ सहयोगियों तथा उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।इस समय व्यापार आदि में भी आपको अपने सहयोगियों से सावधान रहना चाहिए एवं किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि की संभावना हो सकती है । मित्र वर्ग से भी आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे इस समय आपके साथ शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। आलस्य की भी इस मास आप में अधिकता रहेगी तथा बन्धन आदि का भी भय रहेगा।अतः इस वर्ष को आप सावधानी एवं संयम पूर्वक व्यतीत करेंगी तो सांसारिक समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती है।